

HOME WORK CORRECTION SHEET FOR SEM - 6 SANSKRIT HONS

DEPARTMENT OF SANSKRIT

K.C.COLLEGE, HETAMPUR, BIRBHUM

DATE-9-6-2020

TOPIC--KARAKA AND TRANSLATION

PAPER-CC-14

संक्षिप्त प्रश्नावली

१। करणे विकल्पे कर्मसंज्ञाविधायकम् सूत्रं किम्? उदाहरणम् प्रदीयताम्।

** करणे विकल्पे कर्मसंज्ञाविधायकम् सूत्रं-“दिवः कर्म च।” दिवः साधकतमं कारकं कर्मसंज्ञं स्यात्।

** यथा-अक्षेः अक्षान् वा दीव्यति।

२। “अपवर्गे तृतीया” सूत्रे “अपवर्ग” शब्दस्य अर्थः किम्?

** अप-वृज्+घञ्=अपवर्गः। अपवर्गः शब्दस्य अर्थः फलप्राप्तिः। “अपवर्गः फलप्राप्तौ सत्यां क्रियासमाप्तुः इति काशिका”। अपवर्गः फलप्राप्तिः वा अर्थः द्योते व्याप्तार्थे तृतीया स्यात्। यथा-क्रोशेन अनुवाकः पठति। स मासेन व्याकरणम् अपठत्। अपवर्गे न सति व्याप्तार्थे द्वितीयं स्यात्। यथा-मासमधीतो नायातो।

३। सहार्थे तृतीया विभक्तिः विधायकम् सूत्रम् किम्? उदाहरणम् प्रदीयताम्।

** सहार्थे तृतीया विधायकम् सूत्रम्-“सहयुक्तेऽप्रधाने”।

** उदाहरणम्-पित्रा सह आगतः पुत्रः।

४। विनापि तदयोगं तृतीया -‘वृद्धो यूना--’ इत्यादि निर्देशात् व्याख्या कार्या।

** सहार्थेन युक्ते अप्रधाने तृतीया स्यात्। यथा-पुत्रेण सह आगतः पिता। ननु ‘पुत्रेण आगतः पिता’ इत्यत्र सहोद्देशकभावात् कथं तृतीया इत्यत्र आह-विनापीति।

पाणिनिः तस्य ‘वृद्धो यूना तल्लक्षणाश्चेत्-’ इति सूत्रे ‘युवन्’ शब्दे तृतीया विभक्तिः प्रयोगं कृत्वा ज्ञापितवान् यत् सहार्थकशब्द अनुक्ते अपि तृतीया विभक्तिः स्यात्।

५। अङ्गविकारे तृतीया विधायकम् सूत्रोल्लेखं कुरु। उदाहरणम् प्रदीयताम्।

** अङ्गविकारे तृतीया विधायकम् सूत्रं-“येनाङ्गविकारः”।

** उदाहरणम्- बालकः अङ्गा काणः।

६। “येनाङ्गविकारः” सूत्रे अङ्गविकारः शब्दस्य अर्थः किम्?

** “येनाङ्गविकारः” सूत्रे अङ्गविकारः शब्दस्य अर्थः-अङ्गमस्यास्तीति “अर्श आदिभ्योऽच्” अङ्गः अङ्गवान् पुरुषः; तस्य विकारः इति अङ्गविकारः।

৭। উপলক্ষণে কা বিভক্তিঃ ভবতি? সূত্রোল্লেখং কুরু। উদাহরণম্ প্রদীয়তাম্।

** উপলক্ষণে তৃতীয়া স্যাৎ।

** সূত্রম্-“ইখন্তুতলক্ষণে”।

** উদাহরণম্-জটাভিস্তাপসঃ। শিখয়া পরিব্রাজকঃ।

৮। “ইখন্তুতলক্ষণে” সূত্রে ‘ইখন্তুত’ শব্দস্য অর্থঃ কিম্? লক্ষণ শব্দস্য অর্থঃ কিম্ ?

** অয়ং প্রকারঃ ইখৎ, তৎ ভূতঃ প্রাপ্ত ইখৎভূতঃ। অস্য অর্থঃ অবস্থান্তরপ্রাপ্তিঃ।

** লক্ষণশব্দস্য অর্থঃ পরিচায়কচিহ্নঃ।

৯। বিকল্পে কর্মণি তৃতীয়য়াঃ উদাহরণম্ প্রদীয়তাম্। সূত্রোল্লেখং কুরু।

** বিকল্পে কর্মণি তৃতীয়য়াঃ উদাহরণম্-পিত্রা পিতরং বা সংজানীতে। ইত্যত্র ‘পিত্রা’ ইতি পদে ‘সম্’ পূর্বকম্ ‘জ্ঞা’ ধাতোঃ কর্মণি বিকল্পে তৃতীয়া স্যাৎ।

** সূত্রম্-“সংজ্ঞোহন্যতরস্যাৎ কর্মণি”।

১০। হেত্বর্থে কা বিভক্তি স্যাৎ ? সূত্রোল্লেখং কৃত্বা উদাহরণম্ প্রদীয়তাম্।

** হেত্বর্থে তৃতীয়া বিভক্তিঃ স্যাৎ। যথা-দন্ডেন ঘটঃ। ইত্যত্র ‘দন্ডেন’ পদে হেত্বর্থে তৃতীয়া বিভক্তিঃ ভবতি।

** সূত্রম্-“হেতৌ”।

संस्कृत भाषाय अनुवादः

१। वेदसमूह पृथिवीर प्राचीनतम ग्रन्थ। ऎंशुलि खुव सुन्दर भाषाय रचित। ये केउ वेद गान ओ आवृत्ति करते पारे।

= वेदाः पृथिव्याः प्राचीनतमाः ग्रन्थाः। अमी/ते अतीव सुन्दरया भाषया रचिताः। कोऽपि जनः(सर्वे एव) वेदानाम् गानम् आवृत्तिम् च कतुम् शक्नोति।

२। खाद्य छाडा कोनो प्राणी बाँचते पारे ना। खाद्य आमामेदेर बल देय एवँ आमामेदेर जीवित राखे। किन्तु मानुष केवलमात्र खाद्य नियेई बाँचे।

खाद्यं विना कोऽपि प्राणी जीवितुम् न शक्नोति। खाद्यम् अस्मभ्यम् (सम्प्रदाने ःर्थी) बलम् ददाति अस्मान् जीवितान् च रक्नति। किन्तु नरः(मानवः) खाद्येन एव जीवति।

३। गत ह्येछे संस्कृतेर सेई दिनशुलि। वर्तमाने एर जाँकजमक अनुपस्थित। कोथाय सेई वैदिक युग आर कोथाय ऎई वर्तमान युग । यथाशीघ्र एर सरलीकरण प्रयोजन।

=संस्कृतस्य ते दिवसाः गताः। अधुना अस्य आडम्बरः अनुपस्थितः। क्वः(कुत्र) सः वैदिकः युगः क्वः(कुत्र) वा ऎषः वर्तमानः युगः। यथाशीघ्रम् अस्य सरलीकरणम् प्रयोजनम्/आवश्यकम्।

.....